

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उपसण्ड (il) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 466]

नई बिल्लो, बृहस्पति गर, ग्रन्तू थर 28, 1976/कार्तिक 6, 1898

No. 466]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 28, 1976/KARTIKA 6, 1898

इंस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 28th October 1976

S.O. 697(E)/18A/IDRA/76.—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972 (as amended from time to time), namely:—

In the said Order, under the heading "Members", for serial number 5 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"5. Shri H. H. Tyabji,

Deputy Secretary,

Ministry of Industry (Department of Industrial Development), New Delhi".

[No. F. 25/5/72-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

### उद्योग मंत्रालय

# (श्रीकोगिक विकास विभाग)

ग्रादेश

नई दिल्ली, 28 श्रक्तूबर, 1976

का० छा० 697 (भ)/18ए/मार्बै० की० मार० ए०/76.— उद्योग (विकास श्रीर विनियमन) प्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क द्वारा प्रवत्त मिन्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीष्योगिक विकास मंत्रालय के भावेश सं० का० आ० 608 (उ०)/18ए/श्राई०डी०आर०ए०/72, दिनोक 18 सितम्बर, 1972 (समय समय पर यथा संशोधित) में निम्नलिखिन अग्रेतर संशोधन करती है, श्रथीत :—

उक्त बादेश में, 'सदस्य' शीर्षक में क्रम संख्या 5 क्रीर उससे संबंधित प्रविध्टि के स्थान पर निम्नेलिखित क्रम संख्या श्रीर प्रविध्टि रखी जाएगी, श्रर्थात् :---

"5. श्री एच० एच० तेयबजी, उप सचिव, उद्योग मंत्रालय, (ग्रौद्योगिक विकास विभाग), नई दिल्ली।"

> [सं॰ फा॰ 25(5)/72-सी॰यू॰ सी॰] भरुण कुमार घोष, भ्रथर संचित्र।